उत्कृष्ट अभियन्ता अवार्ड वितरण समारोह की प्रेस नोट

दि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के उत्तराखण्ड राज्य केन्द्र द्वारा गत वर्ष से उत्तराखण्ड राज्य के अभियन्ताओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर चयन समिति की संस्तुति पर **राज्य स्तरीय उत्कृष्ट अभियन्ता अवार्ड** प्रदान कर सम्मानित करती है। यह अवार्ड दो कैटेगरी अर्थात् 1. **शोध एवं शैक्षिक क्षेत्र** में कार्यरत व 2. **इंजीनियरिंग फील्ड** में कार्यरत अभियन्ताओं का चयन कर प्रदान किया जाता है। गत वर्ष की भांति इस वर्ष अभियन्ता दिवस के अवसर पर आठ अभियन्ताओं को **राज्य स्तरीय उत्कृष्ट अभियन्ता अवार्ड** के लिये नाम घोषित किये गये थे।

गत वर्ष की भांति इस वर्ष दि0 03 फरवरी 2016 को बीजापुर गेस्ट हाउस में मा0 मुख्यमंत्री आवास के साभागार में श्री हरीश रावत, मा0 मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के करकमलों द्वारा **राज्य स्तरीय उत्कृष्ट अभियन्ता अवार्ड–2014 वितरण** किया गया है। उक्त समारोह में दोनो कैटेगरी अर्थात् 1. **शोध एवं शैक्षिक क्षेत्र** में कार्यरत व 2. **इंजीनियरिंग फील्ड** में कार्यरत निम्न लिखित अभियन्ताओं को अवार्ड प्रदान किया गया है–

1. **शोध एवं शैक्षिक क्षेत्र**

क्रम सं0	नाम	उत्कृष्ट कार्यों का संक्षिप्त विवरण
1	**प्रो0 बी0 आर0 गुर्जर** आई0आई0टी0 रुड़की	शहरी क्षेत्रों में प्रदूषण को कमकर वायु की गुणवत्ता बढ़ाये जाने पर उल्लेखनीय शोध कार्य
2	**इं0 राजेन्द्र चालिसगांवकर** मुख्य अभियन्ता, सिचांई विभाग	जल संसाधन एवं जल विद्युत परियोजनाओं के नियोजन एवं परिकल्पन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य
3	**प्रो0 एस0 के0 मिश्रा** आई0आई0टी0 रुड़की	जल संसाधन पर अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य
4	**इं0 शिव प्रसाद अग्रवाल** अभियन्ता–वैज्ञानिक जल संसाधन विभाग, आई0आर0एस0 देहरादून	नवीनतम तकनीक से उत्तराखण्ड राज्य में बाढ़ के पूर्वानुमान पर उल्लेखनीय कार्य

2. **इंजीनियरिंग फील्ड**

क्रम सं0	नाम	उत्कृष्ट कार्यों का संक्षिप्त विवरण
1	**इं0 सुमेर सिंह यादव** प्रबन्धक निदेशक उत्तराखण्ड पॉवर कार्पोरेशन	उत्तराखण्ड की विद्युत वितरण एवं पारेषण प्रणाली में उल्लेखनीय सुधार कार्य
2	**इं0 अनिल कुमार सचान** **अधिशासी निदेशक एवं विभागाध्यक्ष** **डिलिंग इंस्टिट्यूट, ओ0एन0जी0सी0 देहरादून**	प्रचण्ड अग्नि ग्रसित बीस तेल कुओं पर अग्निशमन कर सफलता प्राप्त करने में उल्लेखनीय कार्य
3	**इं0 सुनील कुमार** **मुख्य अभियन्ता पेयजल निगम देहरादून**	गंगा प्रदूषण नियन्त्रण तथा कुम्भ मेला 2010 में सफल पेयजल व्यवस्था में उल्लेखनीय कार्य
4	**इं0 बी0 सी0 के0 मिश्रा** **निदेशक उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम देहरादून**	हरिद्वार जनपद के पथरी तथा मोहम्मदपुर विद्युत गृहों का सफलता पूर्वक आधुनिकीकरण का उल्लेखनीय कार्य।

इस अवसर पर सभागार में मुख्य रुप से इं नरेन्द्र सिंह चेयरमैन सिविल इंजीनियरिंग बोर्ड, उत्तराखण्ड स्टेट सेन्टर के इं0 सी0एम0 डिमरी चेयरमैन, इं0 जे0पी0 तोमर पूर्व चेयरमैन, इं0 एस0सी0 गोयल पूर्व चेयरमैन, इं0 वी0के0 सक्सेना संयुक्त मानद सचिव, इं रमाशंकर पूर्व मानद सचिव, इं0 ए0बी0 गर्ग पूर्व मानद सचिव सहित कार्यकारिणी सदस्यगण सहित राज्य योजना आयोग के सदस्य इं0 एस0 एम0 सक्सेना, उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के

कुलपति डॉ पी0के0 गर्ग, डॉ एम00पी0 जैन कुलाधिपति आई0एम0एस0 यूनिशन विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अवार्ड प्राप्तकर्ता एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में इं0 सी0एम0 डिमरी चेयरमैन ने स्वागत भाषण देते हुये दि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के उत्तराखण्ड राज्य सेन्टर द्वारा किये जाने कार्यों की जानकारी दी एवं मा0 मुख्यमंत्री से मांग की सेन्टर के द्वारा गठित मैटेरियल टेस्टिंग लैब, स्किल डेवलपमेंट सेल, आपदा प्रबन्धन एवं जागरुकता सेल, ग्रीन उर्जा सेल, प्लेसमेन्ट सेल का राज्य के लिये अधिक से अधिक उपयोग हेतु सरकार की ओर से सहयोग प्रदान किया जाये।

इस अवसर पर अवार्ड स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन इं नरेन्द्र सिंह ने अवार्ड के लिये चयनित अभियन्ताओं के उत्कृष्ट कार्यों का उल्लेख करते हुये राज्य के उत्तरोत्तर प्रगति में दि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के योगदान को आगे बढाने में सरकार के साथ सतत् समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्र का संचालन इं0 डी0 सी0 गुप्ता, मानद सचिव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन इं0 इं0 वी0के0 सक्सेना संयुक्त मानद सचिव ने किया।

माननीय मुख्यमंत्री के वक्तव्य उनके कार्यालय द्वारा प्रदान किये जायेंगे।

दि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स का संक्षिप्त परिचय:

The Institution of Engineers (India) or IEI is the largest multidisciplinary professional body that encompasses 15 engineering disciplines and gives engineers a global platform from which to share professional interest. IEI has membership strength of above 7.6 lacs.

Established in 1920, with its HQrs at 8 Gokhale Road, Kolkata 700020, IEI has served the engineering fraternity for over nine decades. In this period of time it has been inextricably linked with the history of modern-day engineering.

In 1935, IEI was incorporated by Royal Charter and remains the only professional body in India to be accorded this honour. Today, its quest for professional excellence has given it a place of pride in almost every prestigious and relevant organization across the globe. IEI functions among professional engineers, academicians and research workers. It provides a vast array of technical, professional and supporting services to the Government, Industries, Academia and the Engineering fraternity, operating from over 104 Centres located across the country. The Institution has established R&D centres at various locations in the country and also provides grant-in-aid to its members to conduct research and development on engineering subjects.

Uttarakhand State Centre was established in the year 2003 and presently operated from own building near ISBT. More than 2000 corporate Members and approximate 4000 non corporate members are attached to this Centre.

IEI conducts Section A & B Examinations in different Engineering disciplines, the successful completion of which is recognized as equivalent to Degree in appropriate field of Engineering of recognized Universities of India by the Ministry of Human Resources Development, Government of India. Every year as many as 90000 candidates